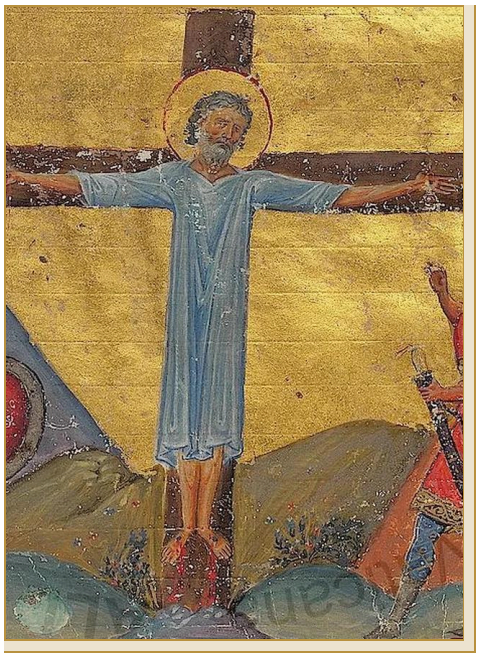


प्रेरितिक उत्तराधिकार

प्रथम-बुलाए गए संत अन्द्रियास से, कुस्तुन्तुनिया के विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट होते हुए, वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप*

Garland F. Byers, Jr., J.D., D.D.‡

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

1. संत अन्द्रियास, प्रथम-बुलाए गए, प्रेरित और शहीद CO

लगभग 30 ई. में मसीह द्वारा बुलाए गए

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: मसीह के पीछे चलनेवाले पहले व्यक्ति, जो अपने भाई शमौन पतरस को उनके पास लाए (यूहन्ना 1:40–42); बारह प्रेरितों में नामित (मत्ती 10:2)

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 30 ई. में प्रेरित अन्द्रियास से आरंभ होकर आज तक चला आता है – 2026 तक 1,996 वर्षों की अवधि।

संत अन्द्रियास से विश्वव्यापी पैट्रिआर्क Germanus V तक का उत्तराधिकार कुस्तुन्तुनिया के विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट द्वारा रखी गई बिशपों और पैट्रिआर्कों की सूची का अनुसरण करता है: वही सूची जिसके द्वारा विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट अपने प्रेरितिक उत्तराधिकार को प्रथम-बुलाए गए संत अन्द्रियास तक खोजता है।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

O पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

कुस्तुन्तुनिया

बीजान्टियम का पीठ, जो बाद में कुस्तुन्तुनिया कहलाया, और जो प्रथम-बुलाए गए संत अन्द्रियास को अपना संस्थापक मानता है। संत अन्द्रियास द्वारा अभिषिक्त संत इस्तखुस से लेकर Germanus V तक बिशप और पैट्रिआर्क, जिनके पैट्रिआर्क-काल में 1916 में Kristofor Kisi को विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट के बिशप के रूप में अभिषिक्त किया गया।

2. संत इस्तखुस CO 38
3. Onesimus 54
4. Polycarp I 69
5. Plutarch 89
6. Sedecion 105
7. Diogenes 114
8. Eleutherius 129
9. Felix 136
10. Polycarp II 141
11. Athenodorus 144
12. Euzois 148
13. Laurence 154
14. Alypius 166
15. Pertinax 169
16. Olympianus 187
17. Mark I 198
18. Philadelphus 211
19. Cyriacus I 214
20. Castinus 230
21. Eugenius I 237
22. Titus 242
23. Dometius 272
24. Rufinus I 284
25. Probus 293
26. संत Metrophanes CO 306
27. संत Alexander CO 314
28. संत पॉल I CO शहीद 337
29. Eusebius 339
30. Macedonius I 342
31. Eudoxius 360
32. Evagrius 370
33. Demophilus 370
34. नाज़ियानज़स के संत ग्रेगरी CO 379
35. संत Nectarius CO 381
36. संत जॉन क्रिसोस्टम CO 398
37. Arsacius 404
38. संत Atticus CO 406

39. Sisinnius I 426
40. Nestorius 428
41. Maximian 431
42. संत Proclus CO 434
43. संत Flavian CO शहीद 446
44. संत Anatolius CO 449
45. संत Gennadius I CO 458
46. Acacius 472
47. Fravitta 489
48. Euphemius 490
49. Macedonius II 496
50. Timothy I 511
51. John II 518
52. Epiphanius 520
53. Anthimus I 535
54. संत Menas CO 536
55. संत Eutychius CO 552
56. John III 565
57. संत John IV CO 582
58. Cyriacus II 596
59. Thomas I 607
60. Sergius I 610
61. Pyrrhus 638
62. Paul II 641
63. Peter 654
64. Thomas II 667
65. John V 669
66. Constantine I 675
67. Theodore I 677
68. George I 679
69. Paul III 688
70. Callinicus I 693
71. Cyrus 706
72. John VI 712
73. संत Germanus I CO 715
74. Anastasius 730
75. Constantine II 754
76. Nicetas I 766
77. संत Paul IV CO 780
78. संत Tarasius CO 784
79. संत Nicephorus I CO 806
80. Theodotus I 815
81. Anthony I 821
82. John VII 837
83. संत Methodius I CO 843
84. संत Ignatius CO 847
85. संत Photius O 858
86. Stephen I 886
87. Anthony II 893
88. संत Nicholas I CO 901
89. Euthymius I 907
90. Stephen II 925
91. Tryphon 928
92. Theophylact 933
93. Polyeuctus 956
94. Basil I 970
95. Anthony III 974
96. Nicholas II 984

97. Sisinnius II 996
98. संत Sergius II [CO] 1001
99. संत Eustathius [CO] 1019
100. Alexius Stoudites 1025
101. Michael I Cerularius 1043
102. संत Constantine III [O] 1059
103. संत John VIII Xiphilinos [O] 1064
104. संत Cosmas I [O] 1075
105. Eustratius Garidas 1081
106. Nicholas III Grammatikos 1084
107. John IX 1111
108. संत Leo [O] 1134
109. संत Michael II [O] 1143
110. Cosmas II 1146
111. Nicholas IV 1147
112. Theodotus II 1151
113. Neophytus I 1154
114. Constantine IV 1154
115. Luke Chrysoberges 1157
116. Michael III 1170
117. Chariton 1178
118. Theodosius I 1179
119. Basil II Kamateros 1183
120. Nicetas II Mountanes 1186
121. Dositheus 1189
122. Leontius 1189
123. George II Xiphilinos 1191
124. John X Kamateros 1198
125. Michael IV Autoreianos 1208
126. Theodore II 1213
127. Maximus II 1216
128. Manuel I 1217
129. Germanus II 1223
130. Methodius II 1240
131. Manuel II 1243
132. संत Arsenius [O] 1254
133. Nicephorus II 1260
134. Germanus III 1265
135. संत Joseph I [O] 1266
136. John XI 1275
137. Gregory II 1283
138. संत Athanasius I [O] 1289
139. John XII 1294
140. Nephon I 1310
141. John XIII 1315
142. Gerasimus I 1320
143. Isaias 1323
144. John XIV 1334
145. Isidore I 1347
146. संत Callistus I [O] 1350
147. Philotheus 1353
148. Macarius 1377
149. Nilus 1380
150. Antony IV 1389
151. संत Callistus II [O] 1397
152. Matthew I 1397
153. Euthymius II 1410
154. Joseph II 1416

155. Metrophanes II 1440
156. Gregory III 1445
157. Athanasius II 1450
158. Gennadius II Scholarios 1454
159. Isidore II 1456
160. Joasaph I 1462
161. Mark II 1466
162. Symeon I 1466
163. संत Dionysius I O 1466
164. Raphael I 1475
165. संत Maximus III O 1476
166. संत Nephon II O 1486
167. Maximus IV 1491
168. Joachim I 1498
169. Pachomius I 1503
170. Theoleptus I 1513
171. संत Jeremias I O 1522
172. Joannicius I 1524
173. Dionysius II 1546
174. Joasaph II 1556
175. Metrophanes III 1565
176. Jeremias II 1572
177. Pachomius II 1584
178. Theoleptus II 1585
179. Matthew II 1596
180. Gabriel I 1596
181. Theophanes I 1596
182. Meletius I 1597
183. Neophytus II 1602
184. Raphael II 1603
185. Cyril I Lucaris 1612
186. Timothy II 1612
187. Gregory IV 1623
188. Anthimus II 1623
189. Cyril II Kontares 1633
190. Athanasius III Patelaros 1634
191. Neophytus III 1636
192. Parthenius I 1639
193. Parthenius II 1644
194. Joannicius II 1646
195. Cyril III 1652
196. Paisius I 1652
197. संत Parthenius III O शहीद 1656
198. Gabriel II 1657
199. Parthenius IV 1657
200. Dionysius III 1662
201. Clement 1667
202. Methodius III 1668
203. Dionysius IV 1671
204. Gerasimus II 1673
205. Athanasius IV 1679
206. James 1679
207. Callinicus II 1688
208. Neophytus IV 1688
209. Gabriel III 1702
210. Neophytus V 1707
211. Cyprianus 1707
212. Athanasius V 1709

213. Cyril IV 1711
214. Cosmas III 1714
215. Jeremias III 1716
216. Callinicus III 1726
217. Paisius II 1726
218. Seraphim I 1733
219. Neophytus VI 1734
220. Cyril V 1748
221. Callinicus IV 1757
222. Seraphim II 1757
223. Joannicius III 1761
224. Samuel 1763
225. Meletius II 1768
226. Theodosius II 1769
227. Sophronius II 1774
228. Gabriel IV 1780
229. Procopius 1785
230. Neophytus VII 1789
231. Gerasimus III 1794
232. संत Gregory V O शहीद 1797
233. Callinicus V 1801
234. Jeremias IV 1809
235. Cyril VI 1813
236. Eugenius II 1821
237. Anthimus III 1822
238. Chrysanthus 1824
239. Agathangelus 1826
240. Constantius I 1830
241. Constantius II 1834
242. Gregory VI 1835
243. Anthimus IV 1840
244. Anthimus V 1841
245. Germanus IV 1842
246. Meletius III 1845
247. Anthimus VI 1845
248. Cyril VII 1855
249. Joachim II 1860
250. Sophronius III 1863
251. Joachim III 1878
252. Joachim IV 1884
253. Dionysius V 1887
254. Neophytus VIII 1891
255. Anthimus VII 1895
256. Constantine V 1897
257. Germanus V 1913

अल्बानिया और अमेरिका

Kristofor Kisi से, जो 1916 में कुस्तुन्तुनिया में अभिषिक्त हुए और बाद में अल्बानिया के आर्चबिशप बने, प्रत्येक बिशप अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप द्वारा अभिषिक्त किया गया। विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट के एक्सार्क बिशप Hierotheos के साथ मिलकर Kisi ने 1923 में कोर्चा में Theofan (Fan) Noli को अभिषिक्त किया।

258. Kristofor Kisi 1916
259. Theofan (Fan) Noli 1923
260. William Henry Francis Brothers 1934
261. Joseph John Skureth 1966
262. Nils Bertil Alexander Persson 1989
263. Samuel Guido, Jr. 2004

264.

Garland F. Byers, Jr.

2013

पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, बिशप के विषय में पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

संत अन्द्रियास का क्रूस पर चढ़ाया जाना, बेसिल II के मेनोलोगियन (Menologion of Basil II) का लघुचित्र, कुस्तुन्तुनिया, लगभग 1000 ई., वेटिकन पुस्तकालय (Vat. gr. 1613)। स्रोत: Wikimedia Commons, सार्वजनिक डोमेन; मूल से काटकर आकार बदला गया।